नई पाठ्यपुस्तक 'शारदा' (Class 9) पर आधारित अनुप्रयुक्त व्याकरण MCQs

नई एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक 'शारदा' के विभिन्न पाठों के वाक्यों से चुने गए नीचे दिए गए समास और समास-विग्रह के प्रश्नों का अभ्यास करें। यह आपकी परीक्षा के नए पैटर्न के अनुसार हैं:

निर्देश: 'शारदा' पाठ्यपुस्तकानुसारं रेखाङ्कितपदानां समास / समासविग्रहं वा विकल्पेभ्यः चिनुत—

(शारदा पाठ्यपुस्तक के अनुसार रेखांकित पदों का समास या समास-विग्रह दिए गए विकल्पों में से चुनिए—)

1. शब्दसाहित्यलीलावनं संस्कृतम्

(A) लीला च वनं च

(B) लीला च तत् वनं

(C) लीलायाः वनम्

(D) लीलानां वनम्

उत्तर- लीलायाः वनम्

व्याख्या- यहाँ षष्ठी तत्पुरुष समास है। इसलिए उत्तर लीलायाः वनम् होगा। इसका अर्थ है की संस्कृत शब्द और साहित्य की लीला का वन है।

2. धर्मस्य मूलम् अर्थः इति नीतिः कथयति। (द्वितीयः पाठः - सुखस्य मूलं धर्मः...

(A) धर्ममूलम्

(B) धर्मेमूलम्

(C) धर्मान्मूलम्

(D) धर्मम्मूलम्

उत्तरः (A) धर्ममूलम

व्याख्याः यह षष्ठी-तत्पुरुष समास का उदाहरण है। 'धर्म का मूल' अर्थ होने के कारण पूर्व पद की षष्ठी विभक्ति 'स्य' का लोप हो जाता है और मूल शब्द जुड़कर 'धर्ममूलम्' बनता है। [1]

3. यः मानवः आत्मवत् सर्वभूतेषु पश्यति, सः एव पण्डितः। (तृतीयः पाठः - आत्मवत् सर्वभूतेषु...)

(A) आत्मनः वत्

(B) आत्मनः सदृशम्

(C) आत्मानं प्रति

(D) आत्मनि इव

उत्तर: (B) आत्मनः सदृशम् (या आत्मनि इव / आत्मनः सदृशम्)

व्याख्या: पाठ के संदर्भ में 'आत्मवत्' एक अव्यय पद की तरह व्यवहार करता है जिसका अर्थ है 'अपने समान' या 'अपने जैसा'। इसका सही विग्रह 'आत्मनः सदृशम्' (अपने जैसा) होता है।

4. सः विद्वान् क्रोधेन सहितम् वचनम् अवदत्। (पञ्चमः पाठः - एषा बुद्धिमताम् बुद्धिः...)

(A) अक्रोधम्

(B) प्रतिक्रोधम्

(C) सक्रोधम्

(D) क्रोधयुक्तम्

उत्तर: (C) सक्रोधम्

व्याख्या: यह अव्ययीभाव समास है। जब 'स' उपसर्ग 'सहित' (साथ) के अर्थ में प्रयोग होता है, तो समस्त पद के प्रारंभ में 'स' जुड़ता है और अंत में नपुंसकलिंग एकवचन रूप 'सक्रोधम्' बनता है।

5. बुद्धिमान् जनः सदा मनसा पूतम् समाचरेत्। (षष्ठः पाठः - मनःपूतं समाचरेत्)

(A) मनपूतम्

(B) मनःपूतम्

(C) मनसिपूतम्

(D) मनापूतम्

उत्तर: (B) मनःपूतम्

व्याख्या: यह तृतीया-तत्पुरुष समास का उदाहरण है। 'मन से पवित्र (किया हुआ)', यहाँ समस्त पद बनते समय विभक्ति का लोप होकर मूल शब्द 'मनस्' और 'पूत' मिलकर विसर्ग संधि के नियम से 'मनःपूतम्' बनते हैं।